



संक्षिप्त खबरें
छ हिंदूसीय
इंटरनेशनल धिएटर
फेस्टिवल 17 से

रांची : इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल ऑफ इंडिया भारत रंग महोत्तम का आयोजन रांची में शुरू होने से होने जा रहा है। इसका आयोजन 17 फरवरी से लेकर 22 फरवरी तक मेराहाबादी का आयोजन सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन, कलासंस्कृति और युवा और खेल विभाग के साथ ही रांची यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस छह दिवसीय कार्यक्रम में छह थिएटर परफॉर्मेंस होंगी। इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और बिहार से ग्रन्थ अपनी प्रस्तुति देंगे। ये प्रस्तुतियां हिंदू, झूर्ड, उड़ानी अपनी और बंगाली भाषाओं में प्रदर्शित की जाएंगी। इस थिएटर फेस्टिवल का आयोजन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा ब्रागा 22वें भारत रंग महोत्तम के रूप में किया जा रहा है। देश के 10 शहरों में इस कार्यक्रम का आयोजन 26 फरवरी तक हो रहा है।

रांची के 1253 किसानों के अकाउंट नें जाएगा 43.85 लाख रुपये

रांची : रांची जिले के 1253 किसानों के बैंक अकाउंट में 43.85 लाख रुपये जाएगा। मुख्यमंत्री सुखाड़ रहत योजना के तहत पात्र किसानों को अनुदानिक रहत राशि भुगतान करने का नियंत्रण रांची उपायुक्त गहुल रुपिया सिहाना दिया। प्रत्येक लाभुक को 3500 रुपये की दर से भुगतान होगा। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री सुखाड़ रहत योजना के तहत पात्र किसानों को अनुदानिक रहत राशि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री सुखाड़ रहत योजना के पात्र किसानों को अनुदानिक रहत राशि देने के लिए श्रेणी 'क' में कुल 1132 लाभुकों और श्रेणी 'ग' में कुल 121 लाभुक की मंजूरी दी गई। प्रति लाभुक 3,500 रुपये की दर से 43 लाख 85 हजार 500 रुपये के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीआईटी मेसरा में दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन



रांची : बीआईटी मेसरा में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समाप्त हो गया। कार्यक्रम दो भागों में आयोजित किया गया था। प्रथम भाग अध्यारित था। दूसरा भाग घरलूप्रयोग के लिए तीन दिनों के बीच दिया जाएगा। इस दिवसीय कार्यक्रम के लिए तैयार करना था। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। केंद्र की निदेशक डॉ. बंदरना भट्टाचार्य ने कहा कि आज के युवाओं की प्रतिपादा को अगर प्रोत्साहित किया जाए तो हम कच्चे का भी उपयोग घर और समाज को सुन्दर बनाने में कर सकते हैं। प्रथम पुस्कर किजेत्र बैंड और शेखर कुमार, दूसरा पुस्कर अरुणिमा और तियारा को एवं तुलीय पुस्कर प्राची कुमारी को मिला। कार्यक्रम के लिए तैयार करने का नियमित लिया है। इन ट्रेनों में पारंपरिक कोच रेक को एलएचवी कोच में बदला जा रहा है। एलएचवी रेक के कोच पहले की तुलना में ज्यादा आरम्भ हुए हैं। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता की है। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

के लिए तैयार करना था। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। केंद्र की निदेशक डॉ. बंदरना भट्टाचार्य ने कहा कि आज के युवाओं की प्रतिपादा को अगर प्रोत्साहित किया जाए तो हम कच्चे का भी उपयोग घर और समाज को सुन्दर बनाने में कर सकते हैं। प्रथम पुस्कर किजेत्र बैंड में चैकिंग अधियानकरण के लिए हर संभव व्यापार को आगे बढ़ाव देने की जरूरत है। सभी थाना प्रभारी सुनिश्चित करेंगे।

पीड़ित परिवार को हर संभव मदद

सभी थाना प्रभारी सुनिश्चित करेंगे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 17321/17322 वास्को द गामा जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन के पारंपरिक रेक को एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित करने का नियमित लिया है। इन ट्रेनों में पारंपरिक कोच रेक को एलएचवी कोच में बदला जा रहा है। एलएचवी रेक के कोच पहले की तुलना में ज्यादा आरम्भ हुए हैं। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता के हैं। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच,

द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह ड्लू वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन पांच मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर होंगे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 17321/17322 वास्को द गामा जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन के पारंपरिक रेक को एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित करने का नियमित लिया है। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता की है। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच,

द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह ड्लू वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन पांच मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर होंगे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 17321/17322 वास्को द गामा जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन के पारंपरिक रेक को एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित करने का नियमित लिया है। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता की है। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच,

द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह ड्लू वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन पांच मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर होंगे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 17321/17322 वास्को द गामा जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन के पारंपरिक रेक को एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित करने का नियमित लिया है। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता की है। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच,

द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह ड्लू वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन पांच मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर होंगे।

अब पहले से ज्यादा आरामदायक होगा वास्को द गामा एक्सप्रेस का सफर

12 नई से बदलेगी व्यवस्था

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच, द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह ड्लू वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन पांच मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित होंगे। ट्रेन संख्या 17321 वास्को द गामा जसीडीह एक्सप्रेस ट्रेन 12 मई से पारंपरिक रेक के स्थान पर होंगे।

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 17321/17322 वास्को द गामा जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस ट्रेन के पारंपरिक रेक को एलएचवी कोच रेक में परिवर्तित करने का नियमित लिया है। इसमें सीट, चार्जिंग पॉड, पर्यावरण बैक ग्रांड, रोडी में ज्यादा उच्च गुणवत्ता की है। ट्रेन में जेनरेटर यान का 2

कोच, सामान्य ब्रेणी के 2 कोच,

द्वितीय ब्रेणी स्टीपर के 2 कोच, वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी के 4 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 5 कोच और वातानुकूलित 2-टियर के 4 कोच कोच समेत कुल 19 कोच रेक के स्थान पर होंगे। ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह



संपादकीय

'ओम-अल्लाह' का धर्मयुद्ध

ओम और अल्लाह एक ही हैं। मनु और आदम भी एक ही हैं। मनु की संताने 'व्याख्या' कहीं गई और आदम की ओलाद को 'आदमी' कहा गया। अल्लाह ने आदम को भारत की भारती पर भेजा, लिहाजा भारत मुसलमानों का पहला वर्तन है और इस्लाम सबसे पुराना मजहब है। जिसे हम 'अल्लाह' मानते हैं, वह ही हिंदूओं में 'इवर' है, फरसी में उसे ही 'खुदा' कहते हैं और ईसाई 'गॉड' मानते हैं। जब मनु धर्ती पर आए, तब ब्रह्मा नहीं थे, विष्णु और शिव भी नहीं थे, श्रीमां भी नहीं थे, तो मूकिसकी पूजा करते थे? किसी धर्मानुष ने बताया कि मनु 'ओम' को पूजते थे, किसी सबल उठाकि 'ओम' चारा था? किसी धर्मगुरु ने व्याख्या की कि 'ओम' रेंग-रूप नहीं था। वह एक 'हवा' थी। जिसे हम 'हवा' कहते हैं, वही हमारे लिए 'अल्लाह' है। बहरहाल 21वीं सदी में यह और भगवान या अल्लाह की ऐसी स्थानान्तरण हास्यस्पद लगती है। कोई विद्मी, धूर्त और अज्ञानी व्यक्ति ही ऐसी व्याख्याएं कर सकता है या किसी के विचार को 'ज़ाहिल' करार देते हुए गली दे सकता है।

बेशक संविधान में धार्मिक और पूजा-पाठ प्रदृशकों की आजादी का अधिकार दिया गया है, लेकिन दूसरे के धर्म और आस्थाओं को गाली देने और उसे अधम करार देने का अलिखित अधिकार भी दिया गया है। बुनियादी तौर पर भारत को मुसलमानों का वर्तन कहा गया है। इस्लाम और मुसलमान भारत की ही पैदाइश है, वे कहीं बाहर से नहीं आए, ये स्थानपान भी दी गई है। जमीतय का यह आम आयोजन 'सर्वधर्म समर्पण और सौहार्द' की सार्वजनिक सोच के तहत किया गया था, लेकिन वह आडबर और मुखौटा ही थे, तीनीजन जैन मुनि, सिख धर्मगुरु और अन्य को मौं छोड़ कर जाना पड़ा। स्पष्ट कर दें कि इन न तो धर्मगुरु हैं और न ही धर्मों के विशेषज्ञ हैं, लेकिन तिजना भी अध्ययन किया है उसके मुत्तबिक इन व्याख्याओं को खंडित किया जा सकता है।

मौलाना मदनी ने विध के सनातन धर्म को खारिज किया है, जिसके कालखंड में वेदों, पुराणों और उपनिषदों के दर्शन दुनिया के सामने आए। मौलाना ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश सरीखे ब्रह्मांड के 'देवीय विदेव' और विष्णु-अवतार प्रभु श्रीम के अस्तित्व को ही नकारा है, लिहाजा एक बहुंसंधक कर देने का आधार पर तय नहीं किए जा सकते।

फिर इस्लाम धर्म तो 1600 वर्ष पुराना ही है, तो उसें दुनिया का सबसे प्राचीन धर्म कैसे माना और कहा जा सकता है? मौलाना भी धर्म के विशेषज्ञ नहीं हैं। अलवता वह किसी भी मकसद और मंसुकों के तहत मुसलमानों को प्रभित करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसीजन अरशद इस्लाम के कुछ जानकार हो सकते हैं, लेकिन सनातन धर्म को लेकर वह 'शून्य' है।

कुछ अलग

पर्यटन की नई बासितियां

संकल्पों के रथ को विजयी बनाने की दृष्टि से मुख्यमंत्री सुखिंदर सिंहसाली वकालत कर रही है। विदेव के द्वारा लिहाजा की सुखिंदर ईमानदार और प्रभावशाली वकालत कर रही है। मुख्यमंत्री स्पष्टता से यह जानते हैं कि आगाने पांच सालों के रिपोर्ट कार्ड में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया भारतीय आधिकारी से क्वाया भारतीय आधिकारी को धार्मिक आस्थाओं को कुचला गया है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थक ऋषि देव जी का नाम ही नहीं लिया गया, जिनके सुपुत्र भरत के नाम पर देव का नामकरण 'भारत' किया गया था। उनका कालखंड ही करीब 3000 साल पुराना है। 'विदेव' तो ब्रह्मांड के 'आदिरचयिता' हैं, लिहाजा उनके कालखंड को तो कप्याना की जा सकती है, व्याख्या असंभव है। आजात्म और आस्था तरक्के के आधार पर तय नहीं किए जा सकते।

फिर इस्लाम धर्म तो 1600 वर्ष पुराना ही है, तो उसें दुनिया का सबसे प्राचीन धर्म कैसे माना और कहा जा सकता है? मौलाना भी धर्म के विशेषज्ञ नहीं हैं। अलवता वह किसी भी मकसद और मंसुकों के तहत मुसलमानों को प्रभित करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्र सकारा से हमाचल के रिसर्टों की पैकै विदेव जी के विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। इसके बावजूद एक बहुमूलक विदेव के रिपोर्ट की पैकै विदेव जी के विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। इसके बावजूद एक बहुमूलक विदेव के रिपोर्ट की पैकै विदेव जी के विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फैरलेन व अन्य सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्वाया मानवीय आपानी खाती को विशेषज्ञ हो गए हैं। अब तक के फैसलों की फैहरित देखें, तो तमाम राजनीतिक गारंटीयों के बावजूद ऐसे संकल्प समाने आ रहे हैं, जहां मुख्यमंत्री गीर राज्य की बुनियाद पर पर्यटन की नई बासित धूंढ रहे हैं। फ

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव विधिवत पूजन आरंभ



धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता) : शक्ति मंदिर प्रांगण में पांच दिवसीय कार्यक्रम की आज शुरूआत की गई है। 15 फरवरी से 19 फरवरी तक शक्ति मंदिर के प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव विधिवत पूजन के साथ उभय आरंभ हुआ। 19 फरवरी को प्रभात फेरी एवं घ्यज यात्रा निकाली जाएगी जिसमें काफी संख्या में ब्राह्मणों की जूटान होगी। इस यात्रा में और घ्यज पदयात्रा कर शक्ति मंदिर प्रांगण में समर्पित होगे।

एलआईसी में सभी बीमा धारकों का निवेश पूरी तरह सुरक्षित है : धर्म प्रकाश

गिरिडीह(प्रभात मंत्र संवाददाता) : बुधवार को गिरिडीह भारतीय जीवन बीमा निगम गिरिडीह शाखा में प्रस्तुतांक कर जानकारी दी कि हिंडेन्डर्क की स्पेंट आने के बाद अडानी के विधिक कानूनों का व्यापार का भाव गिर गया। कुछ राजनीतिक पार्टियां एवं नियंत्रितों को कहा कि एलआईसी और स्टेट बैंक में निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ेगा। इस संबंध में अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी सभा ने कहा कि यह बात है "एलआईसी में निवेशकों का पैसा ड्रूब जाएगा" बिल्कुल निराधार और गलत है। एलआईसी में सभी बीमा धारकों का पैसा सुरक्षित है। मात्रम हो कि 5 करोड़ की पूंजी से प्रारंभ होकर एलआईसी 67 वर्षों में 42 लाख करोड़ से अधिक की परिसंपत्ति अर्जित की है।

विदाई सह आशीर्वदन समारोह का आयोजन



इरिया(प्रभात मंत्र संवाददाता) : दादा डीएवी स्कूल जामाडोबा में बारहवीं कक्षा के लिए विदाई सह आशीर्वदन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी बच्चे हवन में समर्पित हुए। यारहीं के विद्यार्थियों के द्वारा संग्राम कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कक्षा बारहवीं के वर्ग शिक्षक ए.एन.सिंह, सुमित कुमार एवं एस.एन.जा.ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रार्थना श्री प्रभात कुमार मिश्र ने परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने और जीवन में हमेशा उत्तमता के लिए आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अब आपको रोकने वाला कोई नहीं मिलेगा। आप सदैव सावधानी बतें आई.ए.एस., पी.सू.एस., इंजीनियर, डॉक्टर बनने के साथ-साथ एक अच्छे इंसान जरूर बनें। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें और अपने अंदर कभी भी नकारात्मकता को न पनपने दें। सूर्योदय को मिस टाटा डीएवी तथा पीयूष को मास्टर ट्राय डीएवी जामाडोबा पुस्कर से नवजाग गया। सबसे अधिक उपरिक्षित के लिए मर्कंड को, असुरासन के लिए नाजीनी को, अकादमिक के लिए सपना एवं अंकित को पुरस्कृत किया गया। सभी विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बारहवीं के विद्यार्थियों ने खेल से समर्वित सामाजिकों को सहयोग के रूप में प्रदान किया। मंत्र का संचालन आशा जग तथा इंशान समीर ने किया।

विजली के जर्जर तार व लोहे के खम्भे से लोग भयभीत

महूदा(प्रभात मंत्र संवाददाता) : घनी आबादी के कुँकी ढुके गेहोरा और



तेलमांचो ओड्डा कुर्ही में बीमीसीएल के द्वारा वर्ष 1984 में पुर्व मंत्री स्व० समरेस सिंह के प्रयास से विजली के एलटी लाईन आपूर्ति किया गया था। जिसपर ही बाद में विजली विधान ने अपना कनकरन जोड़ दिया है। जो अब काफी बाहरी हो गया है, थोड़ा सा हवा आने पर लोहो का खम्भा फलते लगते हैं और तार आपस में टक्कर कर आग उलने लगते हैं, कभी कभी टुकर किर पी जाता है, गर्मीपान रहा है कि अपी तार कोई मन्त्र चंपे में नहीं रहता है। एक, दो, बार जानर चंपेट में आकर पौत का शिकार हो गया है, उक साग क्षति का पुरी ग्रामीण आपस में मिलजूल कर पुरा करते रहे हैं हूं ग्रामीणों ने बताया कि विधान को जानकारी रखने के बाद भी बैंकर है, यदि बड़ा दुर्घटना घटता है तो उसका जिम्मेवार कौन होगा ? समय रहते यदि उक विजली के जर्जर तार और लोहो के खम्भा के खड़ा नहीं गया तो भगवान भरोसे ही जिने को मजूरी होगा। इस संबंध में विधान के एस्टीओ अनिल कुमार से पुछे जाने पर उन्होंने बताया कि ग्रामीण इससे संबंधित आवेदन विद्युत महाप्रबल को दोउनके अदेश पर ही सामान उत्तेज्व हो पायेगा। सामान उत्तेज्व होने के बाद ही इसपर काम होना संभव होता है पर चिरंजन तुड़े, विधुत तुड़े मलकात, गोपाल तुड़े, निलकण्ठ तुड़े, शशु नाथ तुड़े, निर्माइ चन्द्र तुड़े, सुदाम तुड़े, सन्दीप तुड़े, प्रणव तुड़े, रोशन तुड़े, जयराम तुड़े, पोषाक त्रिवर्षी, प्रदीप कुमार त्रिवर्षी, विष्णु तुड़े, बारही नाथ तुड़े, सापां तुड़े, रजत तुड़े, सोमनीय तुड़े, प्रकाश तुड़े, बलदेव त्रिवर्षी, जितेश तुड़े, गहलु तुड़े, आदी मोजुद थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में किट का वितरण

बिस्मी(प्रभात मंत्र संवाददाता) : शुक्रवार को प्रांगण केंद्र के ओराकला

पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंगेकला में सरकार द्वारा प्रदत शिक्षण किट का वितरण विद्यालय के बच्चों के बीच स्थानीय मुखिया साविती देवी के द्वारा किया गया। कामी का वितरण संख्या पहला दुसरा और तीसरे

वर्ग के बच्चों के बीच पांच पांच कापियाँ तथा चौथी और पांचवीं कक्षों के बच्चों को दस दस कापियाँ एवं छठी, सातवीं तथा अठवीं कक्षों के बच्चों के बीच बच्चों को पंद्रह पंद्रह कापियों का वितरण किया गया। मोके पर विद्यालय के प्रधानाचार्यक गोरी साव, पारा शिक्षक अजय पांडेय, किशोरी शर्मा, विद्यालय के अध्यक्ष अनंत वर्कु, प्रबंधन समिति सदस्य शक्तर साव समेत दर्जनों ग्रामीण विद्यालय के बच्चे उपरिक्षित थे।



e-mail : prabhatmantraranchi@gmail.com

अजगर शरीफ, आगरा व फतेहपुर सिकंदरी

कार्यक्रम की लिए रवाना हुए नागरिक



रिरिडीह(प्रभात मंत्र संवाददाता) : पर्वटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्यक्रम अंगरेज पर्वटन निदेशालय द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थस्थान योजना अंगरेज अजगर शरीफ आगरा एवं फतेहपुर सिकंदरी के लिए गिरिडीह के नागरिक रवाना हुए। इसी कड़ी में आज सुबह 7:30 बजे समाहालालय, परिसर से गिरिडीह के कुट 47 मुख्यमंत्री धर्मावलबाली दो नोडल पदाधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री तीर्थस्थान योजना अंगरेज अजगर शरीफ, आगरा एवं फतेहपुर सिकंदरी के लिए रवाना हुए। जिला खेल पदाधिकारी विकास पालिवाल, जिला योजना पदाधिकारी मंदेश भगत, जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने यात्रियों की बस को हरी झँडी दिखाकर रवाना किया। यह तीर्थस्थान 15 फरवरी से 21 फरवरी तक होनी है। बताते चले की ज्ञारखंड के सभी जिलों के च्यानित मुख्यमंत्री धर्मावलबालीयों को शाम 5 बजे हटिया स्टेशन से स्पेशल ट्रेन के द्वारा तीर्थस्थान के लिए रवाना किया गया। जापान की जिलों के उपरियों का उपरियों पर वायाकास के लिए रवाना किया गया। यह तीर्थस्थान के लिए रवाना किया गया। जिले के सभी यात्रियों को हटिया जाएगा। तीर्थ स्थल का दर्शन करने रेलवे स्टेशन से आज के बाद 21 फरवरी को सभी आइआरसीटीसी के माध्यम से एक धनबाद लौटेंगे। विशेष ट्रेन से अंगरेज शरीफ, आगरा तीर्थ स्थान के लिए जाने वाले यात्रियों में वापसी एवं एसार्कूड प्रवर्ख दो यात्रियों में बलियापुर प्रवर्ख से 20,

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : डीडीसी ने तीर्थ यात्रियों की बस को किया रवाना

प्रभात मंत्र संवाददाता

धनबाद : मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए जिले के विभिन्न प्रवर्खों से से धर्मावलबालीयों को मिश्री भवन से डीडीसी शिव प्रकाश सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालिवाल, जिला योजना पदाधिकारी मंदेश भगत, जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने यात्रियों की बस को हरी झँडी दिखाकर रवाना किया। यह तीर्थस्थान 15 फरवरी से 21 फरवरी तक होनी है। बताते चले की ज्ञारखंड के सभी जिलों के च्यानित मुख्यमंत्री धर्मावलबालीयों को शाम 5 बजे हटिया स्टेशन से स्पेशल ट्रेन के द्वारा तीर्थस्थान के लिए रवाना किया गया। जिले के सभी यात्रियों को हटिया जाएगा। तीर्थ स्थल का दर्शन करने रेलवे स्टेशन से आज के बाद 21 फरवरी को सभी आइआरसीटीसी के माध्यम से एक धनबाद लौटेंगे। विशेष ट्रेन से अंगरेज शरीफ, आगरा तीर्थ स्थान के लिए जाने वाले यात्रियों में वापसी एवं एसार्कूड प्रवर्ख दो यात्रियों में बलियापुर प्रवर्ख से 20,

निरसा से 21, बाबमारा से 14, उंडी रेलवे स्टेशन से आज के बाद 21 फरवरी को सभी आइआरसीटीसी के माध्यम से एक धनबाद लौटेंगे। विशेष ट्रेन से अंगरेज शरीफ, आगरा तीर्थ स्थान के लिए जाने वाले यात्रियों में वापसी एवं एसार्कूड प्रवर्ख दो यात्रियों में बलियापुर प्रवर्ख से 20,

जिले के सभी यात्रियों को हटिया जाएगा। तीर्थ स्थल का दर्शन करने रेलवे स्टेशन से आज के बाद 21 फरवरी को सभी आइआरसीटीसी के माध्यम से एक धनबाद लौटेंगे। विशेष ट्रेन से अंगरेज शरीफ, आगरा तीर्थ स्थान के लिए जाने वाले यात्रियों में वापसी एवं एसार्कूड प्रवर्ख दो यात्रियों में बलियापुर प्रवर्ख से 20,

जिले के सभी यात्रियों को हटिया जाएगा। तीर्थ स्थल का दर्शन करने रेलवे स्टेशन से आज के बाद 21 फरवरी को सभी आइआरसीटीसी के माध्यम से एक धनबाद लौटेंगे। विशेष ट्रेन से अंगर

